MODERN TECHNICAL EDUCATION SOCIETY

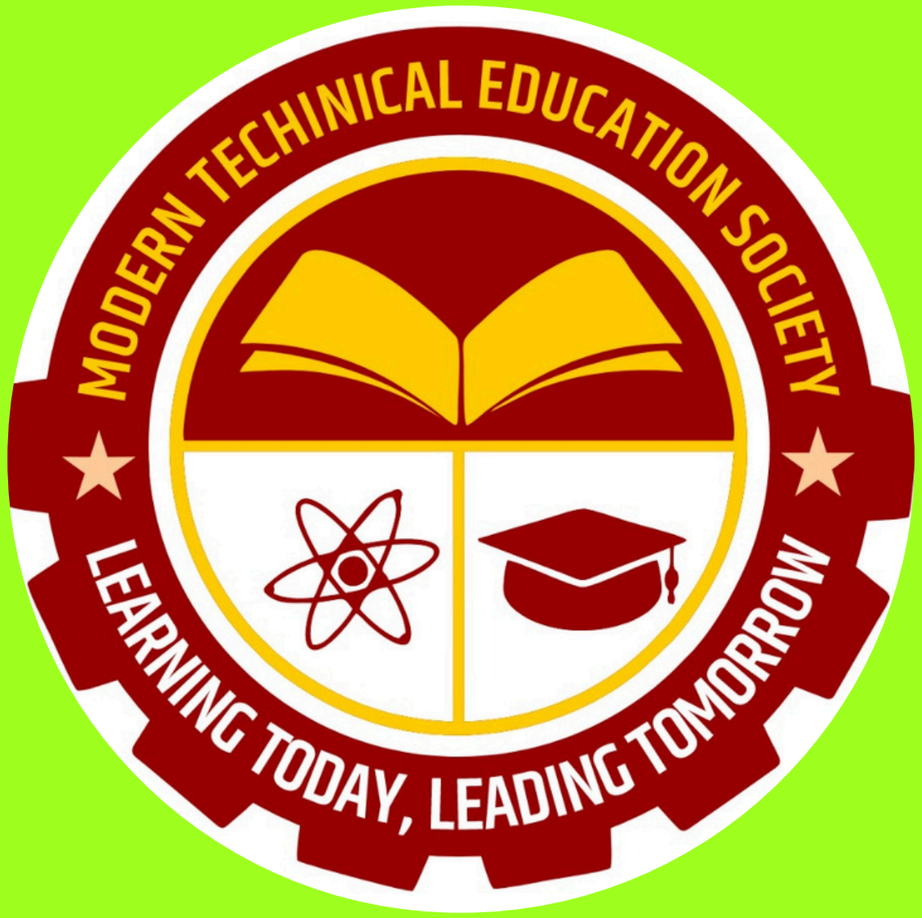

MDEH

MDEH कोर्स की थ्योरी (Diploma in Electro Homeopathy)

पृष्ठ 1: परिचय

इलेक्ट्रो होम्योपैथी (Electro Homeopathy) एक प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति है, जिसकी खोज इटली के वैज्ञानिक **काउंट सीज़र मेटेई (Count Cesare Mattei)** ने 1865 में की थी।
इस चिकित्सा पद्धति का उद्देश्य शरीर के ह्यूमर (रक्त, लसीका, नसें आदि) को संतुलित करना और रोग की जड़ से उपचार करना है।

पृष्ठ 2: इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सिद्धांत

यह चिकित्सा "**बायो-एनर्जी बैलेंस**" पर आधारित है।
शरीर में जब विद्युत प्रवाह या ऊर्जात्मक संतुलन बिगड़ता है,
तब रोग उत्पन्न होता है।
इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवाएँ इस असंतुलन को दूर करती हैं
और शरीर की प्राकृतिक शक्ति को पुनः जागृत करती हैं।

पृष्ठ 3: इलेक्ट्रो होम्योपैथी की विशेषताएँ

1. यह सस्ती और प्राकृतिक चिकित्सा है।
2. किसी भी साइड इफेक्ट से मुक्त है।
3. रोग की जड़ पर कार्य करती है।
4. यह रक्त एवं लसीका प्रणाली को शुद्ध करती है।
5. रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाती है।

पृष्ठ 4: मूल तत्व (Basic Principles)

1. **Vital Force** – शरीर में एक जीवनी शक्ति होती है जो संतुलित रहने पर स्वास्थ्य बनाए रखती है।

2. **Humoural System** – रक्त, लसीका, नर्वस सिस्टम का संतुलन।

3. **Natural Law of Cure** – शरीर स्वयं रोग का उपचार करने में सक्षम है।

पृष्ठ 5: दवाओं के प्रकार

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवाएँ पौधों से तैयार की जाती हैं। मुख्य रूप से पाँच वर्गों में विभाजित की गई हैं:

1. **Angioticos (A)** – रक्त परिसंचरण में सुधार।
2. **Cancerosos (C)** – कैंसर जैसी बीमारियों में सहायक।
3. **Scrofolosos (S)** – लिम्फैटिक रोगों में उपयोगी।
4. **Pectorals (P)** – श्वसन तंत्र के रोगों में उपयोगी।
5. **Vermifugos (V)** – परजीवी नाशक।

पृष्ठ 6: संयोजन दवाएँ

कई बार रोग की प्रकृति के अनुसार दवाओं का मिश्रण किया जाता है, जैसे

- **Lymphatic Mixture**
- **Digestive Mixture**
- **Anti-Inflammatory Mixture**

पृष्ठ 7: दवा निर्माण की प्रक्रिया

1. पौधों का चयन
2. पौधों का रस निकालना
3. फिल्ट्रेशन और पोटेंशाइजेशन
4. एनर्जीकरण प्रक्रिया
   इस प्रक्रिया से दवा में विद्युत शक्ति समाहित की जाती है।

पृष्ठ 8: कार्य प्रणाली (Mode of Action)

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवाएँ शरीर की कोशिकाओं तक ऊर्जा पहुँचाती हैं।
यह रक्त को शुद्ध कर विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालती है और आंतरिक अंगों की कार्यक्षमता बढ़ाती है।

पृष्ठ 9: इलेक्ट्रो होम्योपैथी बनाम अन्य चिकित्सा पद्धतियाँ

द्धति	मुख्य आधार	उपचार का प्रकार
ोपैथी	रासायनिक दवाएँ	लक्षण आधारित
म्योपैथी	समानता का नियम	धीमा पर स्थायी
ायुर्वेद	त्रिदोष सिद्धांत	प्राकृतिक
ेक्ट्रो होम्योपैथी	विद्युत संतुलन	जड़ से उपचार

पृष्ठ 10: उपयोग के क्षेत्र

- पाचन संबंधी रोग
- श्वसन रोग
- त्वचा रोग
- जोड़ों का दर्द
- हृदय संबंधी रोग
- तंत्रिका तंत्र विकार

पृष्ठ 11: निदान प्रक्रिया

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में रोग का निदान

- रोगी की नाड़ी,
- जीभ,
- चेहरा,
- मूत्र,
- और रोग के इतिहास के आधार पर किया जाता है।

पृष्ठ 12: उपचार के चरण

1. शरीर की सफाई (Detoxification)
2. रक्त और लसीका का संतुलन
3. ऊर्जा का पुनर्निर्माण
4. रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाना

पृष्ठ 13: रोगों के उदाहरणात्मक उपचार

- **Asthma** – Pectoral + Angiotico दवाएँ
- **Skin Disease** – Scrofoloso + Canceroso
- **Liver Disease** – Angiotico + Febrifugo
- **Arthritis** – Angiotico + Anti-inflammatory mixture

पृष्ठ 14: लाभ और सावधानियाँ

लाभ:

- बिना साइड इफेक्ट के
- किसी भी उम्र में उपयोगी
- अन्य चिकित्सा के साथ भी दी जा सकती है

सावधानियाँ:

- सही निदान आवश्यक
- विशेषज्ञ की सलाह लें
- अधिक मात्रा में दवा का सेवन न करें

पृष्ठ 15: निष्कर्ष

इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा प्रणाली है जो शरीर की प्राकृतिक ऊर्जा को पुनर्संतुलित कर रोग को जड़ से मिटाती है।

यह सुरक्षित, सस्ती और प्रभावशाली चिकित्सा है, जिसका भविष्य अत्यंत उज्जवल है।